www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 227 | जौनपुर मंगलवार, 07 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

खड़गे ने यूडीएफ की जीत का दावा

केरल, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि केरल में बदलाव की हवा चल रही है और 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) निश्चित रूप से सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि बदलाव आ रहा है। आप तैयार रहें, और अगर आप सभी समर्थन देंगे, तो निश्चित रूप से कांग्रेस सत्ता में आएगी। उन्होंने आगे कहा कि आज, इडुक्की में स्थानीय निकाय चुनावों में हमारी शानदार जीत के बाद, यह स्पष्ट है कि लोग यूडीएफ की ओर झुक रहे हैं। यहां एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने भविष्यवाणी की कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक भी विधानसभा सीट नहीं मिलेगी, क्योंकि केरल के लोग भाजपा के सांप्रदायिक और विभाजनकारी मंसूबों को समझने के लिए जागरूक और शिक्षित हैं।कांग्रेस अध्यक्ष ने सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे और भाजपा के बीच एक गुप्त समझौते का आरोप लगाया और कहा कि वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि केरल हमेशा से प्रगतिशील सोच, सामाजिक न्याय और शिक्षा का प्रतीक रहा है, लेकिन वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के पिछले 10 वर्षों के शासनकाल में राज्य प्रगति के पथ से भटक गया है।

भारतीय राजदूत ने नेपाल के विदेश मंत्री से की मुलाकात

नेपाल, (एजेंसी)। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को हिमालयी देश के विदेश मंत्री शिशिर खनल से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग पर चर्चा की। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के पार्लियामेंट्री पार्टी के नेता बालेंद्र शाह ने 27 मार्च को नेपाल के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद शिशिर खनल को नेपाल का विदेश मंत्री बनाया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा, "भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को विदेश मंत्री शिशिर खनल से मंत्रालय में शिष्टाचार मुलाकात की।" बैठक के दौरान राजदूत श्रीवास्तव ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की तरफ से नेपाल के विदेश मंत्री के तौर पर उनकी नियुक्ति के लिए खनल को शुभकामनाएं दीं। विदेश मंत्रालय ने कहा, "इस मौके पर नेपाल–भारत संबंधों और सहयोग से जुड़े कई मामलों पर चर्चा हुई।"इससे पहले 27 मार्च को डॉ. जयशंकर ने शिशिर खनल को नेपाल के विदेश मंत्री का पद संभालने पर शुभकामनाएं दी थीं और दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने की इच्छा जताई थी।

दिल्ली का शाही परिवार इस बार अपनी हार का शतक लगाएगा : पीएम मोदी

बरपेटा, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के बरपेटा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस बार असम की जनता दो बड़े फैसले करने जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहला, राज्य में भाजपा–एनडीए सरकार की हैट्रिक तय है। वहीं दूसरा, उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में बैठा शाही परिवार इस बार अपनी हार का शतक लगाएगा और असम की जनता ही इसे संभव बनाएगी। रैली में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी दीर्घकालिक विकास की सोच के साथ काम नहीं करती और अल्पकालिक राजनीति के जरिए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है, जबकि भाजपा दीर्घकालिक दृष्टि के साथ देश के विकास पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में असम में शांति और स्थिरता स्थापित करने पर ध्यान दिया गया और आने वाले वर्षों में राज्य की समृद्धि को और विस्तार दिया जाएगा। मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सभी दलों से एकजुट समर्थन की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुला रही है और सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया गया है कि देश की महिलाओं के अधिकारों से जुड़े इस अहम कानून को सर्वसम्मति से पारित किया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह बिल सभी राज्यों के हित में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्वोत्तर या दक्षिण भारत जैसे क्षेत्रों में, जहां जनसंख्या नियंत्रण अधिक है, वहां प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। सरकार महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटों की व्यवस्था कर रही है और कुल सीटों की संख्या बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। मोदी ने खास तौर पर असम की महिलाओं से अपील की कि वे सभी दलों के नेताओं पर इस कानून को पारित कराने के लिए दबाव बनाएं।

सीएम नीतीश कुमार ने पश्चिम चम्पारण में विभिन्न योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पटना, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पश्चिम चम्पारण जिले के वाल्मीकिनगर में विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। साथ ही कई विकास कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। सीएम नीतीश कुमार ने वाल्मीकिनगर के दोन नहर शाखा सेवा पथ के पुनस्थापन कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि दोन नहर शाखा सेवा पथ के पुनस्थापन का कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो गया है। नहर के तटबंध पर बने सड़क का पक्कीकरण कराया गया है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसे जल्द पूर्ण करें। सिंचाई के लिए यह नहर काफी उपयोगी है। इस नहर से बड़ी संख्या में किसानों को लाभ होगा। सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने गंडक बांध जलाशय के सामने लव–कुश ईको टुरिज्म पार्क के निर्माण कार्य का जायजा लिया और वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। साइट प्लान के माध्यम से अधिकारियों ने लव–कुश ईको टुरिज्म पार्क में निर्माण कराए जा रहे विभिन्न भागों के संबंध में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग के अतिथि भवन तथा वाल्मीकिनगर ईको पार्क का भी भ्रमण किया।

भाजपा का सफर त्याग, तपस्या और समर्पण की गाथा है : नितिन नवीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं और पार्टी कार्यकर्ताओं से "राष्ट्र प्रथम" के संकल्प को दोहराने और "विकसित भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अपने प्रयासों को एकजुट करने का आग्रह किया। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में जनता पार्टी से अलग होने के बाद हुई थी। इसकी जड़ें इसकी

पूर्ववर्ती पार्टी, भारतीय जनसंघ में थीं, जिसकी स्थापना 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। तब से, यह भारत की प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों में से एक बन गई है, जिसका मुख्य जोर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और विकास पर है भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, "भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, मैं दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी का 'अंत्योदय' (अंतिम व्यक्ति का उत्थान) का चिर–प्रतीक्षित दृष्टिकोण साकार हो रहा है। उन्होंने कहा, "यह यात्रा जनसंघ के दौर से लेकर आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक का सफर अनगिनत कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और समर्पण की गाथा है। 'अंत्योदय' का वह सपना जिसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने संजोया था और जिसके साथ हम इस राह पर निकले थे, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में जमीन पर साकार हो रहा है।"

इस बार केरल में एनडीए की सरकार बनने जा रही है - अमित शाह

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कट्टक्कडा में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आगामी चुनाव में एनडीए की सरकार बनने का दावा किया। अपने भाषण में उन्होंने यूडीएफ और एलडीएफ पर निशाना साधा। साथ ही, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और विकास के मुद्दों पर विपक्ष को घेरा। जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने दावा किया कि केरल में एनडीए का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि 2014 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को राज्य में 14 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 16 प्रतिशत हो गए और 2024 में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत तक पहुंच गया। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि इस बार केरल में एनडीए की सरकार बनने जा रही है।उन्होंने कहा कि वर्षों से केरल की जनता यूडीएफ और एलडीएफ के बीच सत्ता बदलती रही है, लेकिन किसी भी सरकार ने राज्य के वास्तविक विकास की चिंता नहीं की। दोनों ही दलों की सरकारों में भ्रष्टाचार हुआ है। एलडीएफ सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने 343 करोड़ रुपए के कोऑपरेटिव बैंक घोटाले, एआई घोटाले और लाइफ मिशन घोटाले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यूडीएफ और एलडीएफ दोनों ही एक–दूसरे के भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते, क्योंकि दोनों ही इससे जुड़े हैं। उन्होंने केरल की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि सबरीमाला सोने की चोरी के दोषियों को दो महीने के भीतर जेल भेजा जाएगा।अमित शाह ने दोनों दलों पर तुष्टीकरण की राजनीति का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगाया, तब एलडीएफ–यूडीएफ ने विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इनकी सरकार में केरल कभी सुरक्षित नहीं रह सकता। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक का जिक्र करते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार यह बिल लेकर आई, तब भी दोनों पार्टियों ने विरोध किया। एर्नाकुलम में वक्फ बोर्ड द्वारा 600 परिवारों से 400 एकड़ जमीन लेने का मुद्दा उठाते हुए।

योगी आदित्यनाथ सहित कई मुख्यमंत्रियों ने दी शुभकामनाएं, कहा- यह पार्टी एक जीवंत विचार परंपरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस पर योगी आदित्यनाथ समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शुभकामनाएं दी हैं। नेताओं ने पार्टी की विचारधारा, राष्ट्र प्रथम के संकल्प और अंत्योदय के लक्ष्य को दोहराते हुए जनसेवा व विकसित भारत के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता जताई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट में लिखा, षविश्व के सबसे विशाल राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। भाजपा मात्र एक राजनीतिक संरचना नहीं, बल्कि श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत रत्न श्रद्धेय अटल के उदात्त लोकतांत्रिक आदर्शों व सात्विक सनातनी जीवन मूल्यों से अभिसिंचित एक जीवंत विचार परंपरा है। उन्होंने आगे लिखा, नेशनल फर्स्ट की भावना से ओतप्रोत यह राष्ट्रवादी परिवार आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है, जो सेवा, संस्कार और समर्पण के संकल्प के साथ 145 करोड़ देशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को निरंतर शक्ति दे रहा है। भाजपा की यह विकास यात्रा सत्ता की नहीं, संस्कार की है। विस्तार की नहीं, विचार की है। श्अंत्योदय से राष्ट्रोदयश के संकल्प की सिद्धि की है। हर कार्यकर्ता की निष्ठा, निरंतरता और निस्वार्थ भाव ने श्विकसित भारत–आत्मनिर्भर भारतश के संकल्प को गति दी है। राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में सहभागी सभी विभूतियों का अभिनंदन।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पोस्ट किया, ष्राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित और अंत्योदय के आदर्श से प्रेरित भाजपा के स्थापना दिवस पर सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आप सभी के अथक परिश्रम, समर्पण और संगठन की एकता ने पार्टी को निरंतर मजबूत बनाया है। इसी संकल्प और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हुए राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर भारत माता का गौरव सदैव बढ़ाते रहेंगे।

अरविंद केजरीवाल की अर्जी पर सीबीआई को नोटिस जारी, 13 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया, जिसमें आबकारी नीति मामले में न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने की मांग की गई थी। न्यायालय ने कहा कि अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायालय ने कहा कि न्यायालय ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने के आवेदन को रिकॉर्ड में ले लिया है। इस आवेदन की अग्रिम सूचना दूसरे पक्ष को मिल चुकी है। वे कल तक अपना जवाब दाखिल करें। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय ने इससे पहले केजरीवाल के उस अनुरोधा को खारिज कर दिया था जिसमें सीबीआई की याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा था कि इस मामले से खुद को अलग करने का निर्णय संबंधित न्यायाधीश को लेना होगा। केजरीवाल के साथ–साथ आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और आबकारी नीति मामले में अन्य आरोपियों ने 11 मार्च को दिए गए एक अभ्यावेदन मेंदावा किया कि इस बात की ''गंभीर, वास्तविक और उचित आशंका'' है कि न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष मामले की सुनवाई निष्पक्ष और तटस्थ नहीं होगी। सुनवाई अदालत ने 27 फरवरी को केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को आरोप मुक्त कर दिया था। अदालत ने मामले की सुनवाई कर रही सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) को फटकार लगाते हुए ।

शरद पवार और रामदास अठावले समेत 19 नए सदस्यों ने ली शपथ

मुबई, (एजेंसी)। एनसीपी–एससीपी नेता शरद पवार और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले समेत राज्यसभा के 19 नए सदस्यों ने सोमवार को शपथ ली। राज्यसभा अध्यक्ष सी.पी. राधाकृष्णन की उपस्थिति में शपथ ली गई। राज्यसभा कक्ष में आयोजित समारोह के दौरान उपसभापति हरिवंश और संसदीय कार्य मंत्री किरेन

रिजिजू भी उपस्थित थे। सदन में संबंधित दलों के सदन नेता भी उपस्थित थे। नव निर्वाचित सदस्यों में महाराष्ट्र से पांच, तमिलनाडु से छह, पश्चिम बंगाल से पांच और ओडिशा से तीन सदस्य शामिल थे। महाराष्ट्र स्थित भाजपा इकाई की माया चिंतामन इवानते ने सबसे पहले शपथ ली, उसके बाद श्री पवार ने शपथ ली, जो व्हीलचेयर पर आए थे। रामराव सखाराम वाडकुटे (भाजपा), ज्योति नागनाथ वाघमारे (एसएस) और अठावले (आरपीआई–ए) ने भी उच्च सदन में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हुए शपथ ली। मनमोहन सामल (भाजपा), संरप्त मिश्रा (बीजेडी) और दिलीप कुमार राय (निर्दलीय) ने ओडिशा से सदस्य के रूप में शपथ ली, जबकि कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन (डीएमके), क्रिस्टोफर मणिकम (कांग्रेस), एल के सुधीश (डीएमडीके), एम थंबीदुरई (एआईएडीएमके), तिरुचि शिवा (डीएमके) और अंबुमणि रामदास (पीएमके) ने तमिलनाडु से सदस्य के रूप में शपथ ली। पश्चिम बंगाल से बाबुल सुप्रिया बराल (एआईटीसी), बिस्वजीत सिन्हा (भाजपा), मेनका गुरुस्वामी (एआईटीसी), राजीव कुमार (एआईटीसी) और रुक्मिणी मल्लिक (एआईटीसी) ने शपथ ली। अधिकांश सदस्यों ने अपनी–अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में शपथ ली।

हिमालय परिवार संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने आदित्य नाथ पाण्डेय

(वाराणसी)। सनातनी परंपरा, राष्ट्रीय एकता, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं अखंड भारत के सपने को साकार करने के लिए संरक्षक, हिमालय परिवार संगठन एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ(राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य) इंद्रेश जी ने पूर्वांचल के सामाजिक कार्यकर्ता आदित्य नाथ पाण्डेय को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घोषित किया है। इस अवसर पर हिमालय परिवार संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष परमजीत सिंह गिल ने आदित्य नाथ पाण्डेय को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी एवं भविष्य में साथ मिलकर संगठन को और मजबूत करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलने का आश्वासन भी दिया है। इसी के साथ वाराणसी स्थित आदित्य नाथ पाण्डेय के आवास पर तमाम सामाजिक कार्यकर्ताओं का बधाई देने के लिए लगातार आना–जाना शुरू हो गया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए हिमालय परिवार संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदित्य नाथ पाण्डेय ने संगठन के संरक्षक इंद्रेश जी और संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह गिल को धन्यवाद देते हुए व्यक्तव दिया कि संगठन ने जो जिम्मेदारी दी है उसका बखूबी पालन किया जाएगा एवं उत्तर प्रदेश के साथ–साथ संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक कार्य कर मजबूती प्रदान की जाएगी।

हिमालय परिवार संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष परमजीत सिंह गिल

हिमालय परिवार संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदित्य नाथ पाण्डेय

संपादकीय

श्रमिक हितों का ख्याल

इस दलील में दम है कि श्रम अधिकारों का मामला राजनीतिक दायरे में आता है, जिस बारे में निर्णय संसद या सरकार को ही लेना चाहिए। मगर जहां मुद्दा संवैधानिक अधिकारों से जुड़ता हो, वहां कोर्ट की भूमिका बन जाती है। किन गतिविधियों को उद्योग माना जाए, यह तय करने की जिम्मेदारी फिर सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाथ में ली है। मगर केंद्र ने उससे सहमत नहीं है। 1978 में उद्योग की परिभाषा सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने तय की थी। अब उस पर पुनर्विचार करने के लिए कोर्ट ने नौ जजों की बेंच बनाई है। उसके सामने अपना पक्ष रखते हुए केंद्र ने कहा कि कोर्ट को इस मामले में दखल नहीं देना चाहिए। केंद्र चाहता है कि सरकारी एवं समाज कल्याण से जुड़े कार्यों को औद्योगिक गतिविधि ना माना जाए। यह तर्क मंजूर होने का मतलब होगा कि इन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मी श्रम कानूनों संहिताओं के तहत मिले अधिकारों लाभ से वंचित हो जाएंगे। जाहिर है, इस प्रकरण का संबंध श्रमिकों से भी है। इसलिए इस मामले में उनका पक्ष भी महत्त्वपूर्ण होगा। इस दलील में दम है कि श्रम अधिकारों से संबंधित पहलू राजनीतिक दायरे का हिस्सा हैं, जिनके बारे में निर्णय संसद या सरकार को ही लेना चाहिए। मगर जहां मुद्दा संवैधानिक अधिकारों से जुड़ता हो, वहां कोर्ट की भूमिका बन जाती है। इसीलिए 1978 बैंगलोर जल आपूर्ति विभाग से जुड़े मामले में निर्णय तक पहुंचने के लिए सुप्रीम कोर्ट को संविधान पीठ का गठन करना पड़ा था। 2005 में उत्तर प्रदेश सरकार बनाम जयवीर सिंह मामले में ये विवाद फिर उठा, जो अब तक लंबित है। उसी सिलसिले में अब कोर्ट नौ जजों की बेंच बनाई गई है। 1978 में कोर्ट ने कहा था कि कोई संगठन उद्योग की श्रेणी में आता है या नहीं, यह तय करने की कसौटी यह नहीं हो सकती कि मुनाफा कमाना उसका मकसद है या नहीं। इसके लिए कोर्ट ने तीन पैमाने तय किएरू व्यवस्थित गतिविधि, प्रबंधन एवं श्रमिकों के बीच सहयोग, और वस्तु एवं सेवाओं का उत्पादन अथवा वितरण। इस तरह चौरिटी, सामाजिक कार्य एवं कल्याण कार्यों से जुड़े संगठन भी उद्योग के दायरे में आ गए। ये फैसला उस दौर में आया, जब वैचारिक दायरे में श्रमिकों के हित सर्वोपरि माने जाते थे। आज माहौल बदल चुका है। फिर भी श्रमिक हितों का ख्याल किया जाना चाहिए।

ईरान ने कैसे गिराया अमेरिकी विमान, अमेरिका ने कैसे बचाए अपने पायलट

नीरज

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक बेहद साहसिक और जटिल बचाव अभियान ने वैश्विक स्तर पर ध्यान खींचा है। ईरान के भीतर गिराए गए एक अमेरिकी लड़ाकू विमान के दो चालक दल सदस्यों को निकालने के लिए चलाया गया यह अभियान आधुनिक युद्ध रणनीति, गुप्त संचालन और जोखिम भरे फैसलों का अनोखा उदाहरण बन गया है। हम आपको बता दें कि शुक्रवार को ईरान के इस्फहान प्रांत के ऊपर उड़ान भर रहे अमेरिकी लड़ाकू विमान को ईरानी हमले में निशाना बनाया गया। विमान के दो पायलट समय रहते बाहर निकल गए, लेकिन वह दुश्मन के इलाके में अलग अलग स्थानों पर उतर गए। पहले पायलट को कुछ ही घंटों में सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन दूसरे सदस्य यानी हथियार विशेषज्ञ को बचाना बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। यह अभियान केवल एक सामान्य बचाव मिशन नहीं था, बल्कि इसमें खुफिया एजेंसियों, विशेष बलों और अत्याधुनिक तकनीक का समन्वय देखने को मिला। अमेरिकी विशेष बलों ने रात के अंधेरे में ईरान के भीतर गहराई तक प्रवेश किया। लगभग दो हजार एक सौ मीटर ऊंची पहाड़ी पर छिपे घायल अधिकारी तक पहुंचकर उसे सुरक्षित स्थान तक लाया गया। हालांकि मिशन के बीच में एक बड़ा संकट भी आया। जिन परिवहन विमानों के जरिए लगभग सौ विशेष बलों को इलाके में पहुंचाया गया था, उनमें तकनीकी खराबी आ गई और वे उड़ान भरने में असमर्थ हो गए। इससे सैनिकों के दुश्मन इलाके में फंसने का खतरा पैदा हो गया। ऐसे में कमांडरों ने जोखिम भरा फैसला लेते हुए अतिरिक्त विमानों को भेजने का आदेश दिया। कुछ घंटों की तनावपूर्ण प्रतीक्षा के बाद अंततः सभी सैनिकों को चरणबद्ध तरीके से बाहर निकाल लिया गया। साथ ही इस दौरान अमेरिकी सेना ने अपने दो परिवहन विमानों और चार हेलीकॉप्टरों को खुद ही नष्ट कर दिया ताकि वह ईरान के हाथ न लग सकें। यह फैसला इस मिशन की गंभीरता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। घायल अधिकारी की जीवित रहने की कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। बाहर निकलने के बाद वह पहाड़ों में छिप गया और एक दरार में शरण ली। उसके पास सीमित संसाधन थे, लेकिन विशेष प्रशिक्षण के कारण वह खुद को बचाने में सफल रहा। बाद में उसने सुरक्षित तरीके से अमेरिकी सेना से संपर्क स्थापित किया, जिससे उसकी पहचान की पुष्टि हो सकी और बचाव अभियान आगे बढ़ाया जा सका। हम आपको बता दें कि अमेरिकी पायलटों को दुश्मन के इलाके में फंसने की स्थिति के लिए जो विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, उसे सामान्यतः सेरे प्रशिक्षण कहा जाता है, जिसका अर्थ है सर्वाइवल, एवेजन, रेसिस्टेंस और एस्केप यानी जीवित रहना, दुश्मन से बचना, गिरफ्तारी की स्थिति में प्रतिरोध करना और मौका मिलने पर निकल भागना। इस प्रशिक्षण में पायलटों को अत्यंत कठिन परिस्थितियों में खुद को जिंदा रखने की कला सिखाई जाती है, जैसे पानी ढूंढना और शुद्ध करना, अस्थायी आश्रय बनाना, सीमित संसाधनों में भोजन जुटाना और प्राथमिक उपचार करना। साथ ही उन्हें यह भी सिखाया जाता है कि दुश्मन की नजर से कैसे बचा जाए, जैसे जमीन के करीब रहना, छिपने के तरीके अपनाना, रात का उपयोग करना और सुरक्षित संचार उपकरणों के जरिए अपने स्थान की जानकारी देना। प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानसिक मजबूती विकसित करना होता है, जिसमें पायलटों को पूछताछ या बंदी बनाए जाने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत सीमित जानकारी देना, दबाव का सामना करना और दुश्मन के मनोवैज्ञानिक प्रभाव से बचना सिखाया जाता है। इसके अलावा उन्हें भागने की योजना बनाना, रास्तों की पहचान करना और बचाव दल से संपर्क स्थापित करने की रणनीतियां भी सिखाई जाती हैं। कुल मिलाकर यह प्रशिक्षण पायलटों को इस लायक बनाता है कि वह अकेले, घायल या संसाधनहीन होने पर भी दुश्मन के इलाके में लंबे समय तक जीवित रह सकें और सही समय पर सुरक्षित वापस लौटने की संभावना

बनाए रखें। हम आपको यह भी बता दें कि ईरान की ओर से भी इस दौरान व्यापक स्तर पर खोज अभियान चलाया गया था। स्थानीय लोगों से अपील की गई कि यदि उन्हें कोई दुश्मन पायलट दिखे तो उसे पकड़कर अधिकारियों को सौंपें। इनाम की घोषणा भी की गई, जिससे इलाके में खोज और तेज हो गई। लेकिन अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने इस बीच एक भ्रम फैलाने वाली रणनीति अपनाई। ईरान के भीतर यह संदेश फैलाया गया कि लापता अधिकारी को पहले ही ढूंढ लिया गया है और उसे कहीं और ले जाया जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिकी सेना ने इलेक्ट्रॉनिक संकेतों को बाधित किया और कुछ प्रमुख रास्तों पर हमले किए ताकि कोई भी व्यक्ति उस क्षेत्र तक न पहुंच सके। इस मिशन के दौरान अमेरिकी हेलीकॉप्टरों पर भी हमला हुआ। दो हेलीकॉप्टरों को नुकसान पहुंचा, लेकिन वे किसी तरह सुरक्षित वापस लौटने में सफल रहे। दूसरी ओर, ईरान ने दावा किया कि उसने अमेरिकी अभियान को पूरी तरह विफल कर दिया और कई विमानों को मार गिराया। ईरानी मीडिया में जले हुए विमान के मलबे और धुएं की तस्वीरें भी दिखाई गईं। हालांकि अमेरिका का कहना है कि उसने अपने उपकरण खुद नष्ट किए ताकि वे दुश्मन के हाथ न लगें। इस पूरे घटनाक्रम में दोनों देशों के बीच सूचना युद्ध भी साफ दिखाई देता है, जहां हर पक्ष अपनी जीत का दावा कर रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि इस संघर्ष में अब तक अमेरिका के तेरह सैनिकों की मौत हो चुकी है और तीन सौ से अधिक घायल हुए हैं, लेकिन किसी भी सैनिक को बंदी नहीं बनाया गया है। जहां तक ईरान द्वारा इस्फहान प्रांत के ऊपर अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराने की बात है तो इस बारे में आपको और जानकारी देते हुए बता दें कि यह हमला किसी एक साधारण हथियार से नहीं, बल्कि उन्नत वायु रक्षा प्रणाली के संयोजन से किया गया हो सकता है। कई रिपोर्टों में संकेत मिला है कि ईरान ने अपने स्वदेशी "थर्ड खोरदाद" नामक मध्यम दूरी के सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम का उपयोग किया, जो पहले भी उन्नत विमानों को निशाना बनाने के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही कुछ खुफिया आकलनों में यह भी कहा गया कि ईरान ने रूसी मूल के कंधे पर रखकर दागे जाने वाले आधुनिक मिसाइल सिस्टम (मैनपैड्स), जैसे वेरबा प्रकार, का इस्तेमाल किया होगा, जो कम ऊंचाई पर उड़ रहे विमानों को आसानी से निशाना बना सकते हैं और पारंपरिक रडार चेतावनी प्रणालियों को चकमा देने में सक्षम होते हैं। इसके अलावा "पैसिव इंफ्रारेड ट्रैकिंग" तकनीक का भी उल्लेख मिलता है, जो बिना रडार सिग्नल छोड़े विमान की गर्मी या गति को ट्रैक करती है, जिससे पायलट को खतरे का अंदाजा देर से होता है। हम आपको यह भी बता दें कि ऐसी वायु रक्षा तकनीक आज केवल ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि रूस, चीन, अमेरिका, इजराइल, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे कई देशों के पास उन्नत सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम मौजूद हैं। रूस के एस 300 और एस 400, अमेरिका के पैट्रियट सिस्टम, इजराइल के आयरन डोम और डेविड स्लिंग तथा चीन के एचक्यू सीरीज जैसे सिस्टम इसी श्रेणी में आते हैं।

अविश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरुरत थी

अजीत द्विवेदी

विपक्षी नेताओं की ओर से कहा जा रहा है कि अविश्वास प्रस्ताव लाने का उनका मकसद पूरा हो गया। वे देश को बताना चाहते थे कि स्पीकर ओम बिरला पक्षपात करते हैं और नेता विपक्ष राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जाता है। दूसरे विपक्षी सांसदों को भी बोलने से रोका जाता है और उनके माइक बंद कर दिए जाते हैं। लेकिन इसमें से कौन सी ऐसी बात है, जो विपक्ष के सांसद हमेशा नहीं कहते रहते हैं? जब भी सत्र चलता हा या नहीं भी चल रहा होता है तो जहां मौका मिलता है वहां ये बातें कही जाती हैं। इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरुरत थी? ऐसा लग रहा है कि विपक्ष इस प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं था। एक औपचारिकता के तौर पर इसे पेश कर दिया गया। ऐसा होने के कई कारण हैं। पहला कारण तो यही है कि विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद वोटिंग नहीं कराई। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि वह वोटिंग कराना चाहती थी लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हुआ। यह सही है कि इससे पहले जब भी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया तो वोटिंग नहीं हुई और प्रस्ताव ध्वनिमत से ही खारिज हुआ। लेकिन उस समय की स्थितियां अलग थीं। 1987 में बलराम जाखड़ के खिलाफ प्रस्ताव आया था तब कांग्रेस के पास 415 सांसद थे। इसी तरह उससे पहले हुकूम सिंह के खिलाफ प्रस्ताव आया तो प्रस्ताव ही स्वीकार नहीं हुआ क्योंकि 50 सांसद पूरे नहीं हुए। उससे पहले जीवी मावलंकर के खिलाफ प्रस्ताव आया तो उस समय कांग्रेस की पहली लोकसभा का मामला था, जिसमें कांग्रेस के पास प्रचंड बहुमत था। लेकिन इस बार भाजपा को बहुमत नहीं है और एनडीए के पास भी 293 सांसद ही हैं। दूसरी ओर ममता बनर्जी को मिला कर विपक्ष के पास 233 सांसद हैं। इतिहास में कभी भी विपक्ष इतना मजबूत नहीं रहा है। विपक्ष को अपनी यह मजबूती संसद में दिखानी चाहिएअ थी, जो उसने नहीं दिखाई। सवाल है कि क्या विपक्ष को अपने अंदर बिखराव की समस्या दिख रही थी? यह भी सवाल है कि अगर चर्चा के बाद वोटिंग नहीं करानी थी तो छिप जाने करने का क्या मतलब था? वास्तविकता सबको पता थी कि प्रस्ताव खारिज हो जाएगा। फिर भी विपक्ष ने इसे पेश किया था तो चर्चा के बाद वोटिंग के लिए जोर देना चाहिए था। वोटिंग होती तो सरकार की ताकत का भी पता चलता। यह भी पता चलता है कि विपक्ष कितना एकजुट है। सरकार और विपक्ष दोनों से दूरी बना कर चलने वाले 17 सांसदों के रूझान का भी पता चलता। अगर विपक्ष अपनी पूरी ताकत दिखाता तो शायद आगे उसकी बात ज्यादा सुनी जाती। लेकिन विपक्ष ने यह मौका गंवा दिया और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में जुट गया। उसका हश्र भी ऐसा ही होगा, जैसा स्पीकर के मामले का हुआ है और उस समय भी कोई ऐसी बात नहीं कही जाएगी, जो अभी नहीं कही जा रही है। बहरहाल, वोटिंग के लिए दबाव नहीं डालने के अलावा कई और कारण हैं, जिनसे लग रहा है कि विपक्ष इस प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं था। इसमें एक कारण तो यह है भी है कि जिस समय प्रस्ताव पेश किया गया उस समय विपक्ष में एकता नहीं दिखी। लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता राहुल गांधी और दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर दस्तखत नहीं किए। तीसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस इससे दूर रही। उसके सांसदों ने प्रस्ताव पर दस्तखत ही नहीं किए। हालांकि बाद में ममता बनर्जी ने कहा कि उनके सांसद प्रस्ताव का समर्थन करेंगे लेकिन हो सकता है कि कांग्रेस को तृणमूल और दूसरी विपक्षी पार्टियों के सांसदों पर भरोसा नहीं रहा हो इसलिए वोटिंग के लिए दबाव नहीं डाला गया। विपक्ष की अगंभीरता का पता इस बात से भी चलता है कि अविश्वास प्रस्ताव पर किसी बड़े नेता ने बोलने की जरुरत नहीं समझी। कांग्रेस ने असम चुनाव का ध्यान रखते हुए गौरव गोगोई से भाषण की शुरुआत कराई। राहुल गांधी भी दूसरे दिन तब बोले, जब केसी वेणुगोपाल ने रविशंकर प्रसाद के भाषण के बाद प्वाइंट ऑफ ऑर्डर उठाया और राहुल के जवाब देने के अधिकार की बात कही। इस पर आसन पर बैठे दिलीप सैकिया ने उनको बोलने का मौका दिया। विपक्ष की अगंभीरता सोमवार, नौ मार्च को दिखाई दी, जब सत्र शुरू होते ही विपक्षी पार्टियों ने पश्चिम एशिया में चल रही जंग पर चर्चा कराने की मांग लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सोचें, यह पहले से तय था कि संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू होगा।

कमजोर मोदी को सहारा देते कांग्रेस के नेता

शकील

कांग्रेस अपने ऐसे विश्वासघातियों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लेती है। केवल कहती रहती है। इससे इस तरह के लोगों के हौसले बढ़ते रहते हैं। 2014 के बाद कितने ही नेता भाजपा में गए। मध्यप्रदेश में सरकार तोड़ी। कांग्रेस नरेटिव (धारणा) की लड़ाई का महत्व अभी भी नहीं समझ रही है। वह सत्य जितेगा के सिद्धांत पर डटी हुई है। मगर भारत की विदेश नीति जब पूरी तरह लड़खड़ा रही है तो उसे सहारा देने का काम भी कांग्रेस के नेता कर रहे हैं। पांच राज्यों में चुनाव का समय, एलपीजी की भंयकर कमी, लाक डाउन की तरह ही मजदूर, खाने–पीने का काम करने वाले छोटे दूकानदार, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे स्टूडेंटों का शहर छोड़ कर जाना, खाड़ी देशों सहित ईरान में फंसे भारतीय और मोदी सरकार की लंबी चुप्पी से पैदा घबराहट और अनिश्चितता जैसे बड़े सवालों पर बोलने के बजाय कांग्रेस के कुछ नेता अपनी ही पार्टी के खिलाफ बोलकर इस मौके का फायदा उठाने में लग गए हैं।मोदी की विदेश नीति जो पूरी तरह अमेरिका और ईरान के प्रति झुकी हुई है और जिस की वजह से ईरान गैस और तेल लिए भारत के एक–एक जहाज को इस मैसेज के साथ हार्मुज स्ट्रेट जलडमरूमध्य से निकलने दे रहा है कि भारत की जनता हमारे साथ है। भारत हमारा दो हजार साल पुराना दोस्त है। अहसान तो वह नहीं जता रहा मगर उलाहना तो है! और ऐसे समय में कांग्रेस के पांच नेता भारतीय जनता की एलपीजी समस्याओं और अपनी पार्टी की ईरान की जनता के साथ एकजुटता को नजरअंदाज करके कह रहे हैं कि मोदी की विदेश नीति सही है। कौन सी नीति वह जिसकी वजह से भारत में एलपीजी और तेल की समस्या हो रही है? जिस व्यक्ति आधारित विदेश नीति की वजह से भारत दुनिया में अलग–थलग पड़ गया है। अभी आपरेशन सिंदूर के समय एक देश भी भारत के समर्थन में नहीं आया था। वह अमेरिका भी नहीं जिसके दबाव में प्रधानमंत्री मोदी आजकल सारे फैसले ले रहे हैं। जिस अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सेना की निर्णायक हो रही जीत के समय सीज फायर करवा दिया। जैसे ईरान पर हमला किया वैसे ही गुंडागर्दी की भाषा बोलते हुए कि स्टाप इट!भारत की जनता को बता रहे हैं तुम्हारा प्रधानमंत्री मुझे सर सर करके बोलता है। मैं उसका पोलिटिकल कैरियर तबाह कर सकता हूं। मगर वह मुझे प्यार करता है इसलिए करूंगा नहीं। आश्चर्य की बात है कि ऐसे समय में जब भारत और भारत की जनता दोनों का अपमान लगातार ट्रंप कर रहा है और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं तो कांग्रेस के नेता मोदी और ट्रंप को बचाने के लिए राहुल और कांग्रेस पर ही सवाल उठा रहे हैं।कौन हैं यह नेता। वे जो यूपीए के समय में मंत्री रहे। सत्ता सुख भोगा। और अब जब पार्टी को साथ खड़े होकर लड़ने वालों की जरुरत है तो यह पार्टी की पीठ में छूरा घोंपकर भागने की तैयारी में है। कमलनाथ तो भाग ही गए थे। मगर मोदी ने वापस भगा दिया। इन्हीं को मुख्यमंत्री बनाने के चक्कर में कांग्रेस ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को गंवाया था। केन्द्र में मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक क्या–क्या नहीं दिया। आनंद शर्मा जिन्हें दस साल यूपीए सरकार में मंत्री बनाकर रखा उसके बाद राज्यसभा में पार्टी का उपनेता और अभी 2024 में हिमाचल से टिकट दिया थे। शशि थरूर ये न केवल मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री रहे बल्कि उस समय कांग्रेस की नीति– आम नागरिक की तरह हवाई जहाज की सामान्य श्रेणी में चलो के खिलाफ यह कहने वाले कि में कैटल क्लास (जानवरों की श्रेणी) में यात्रा नहीं कर सकता के बावजूद माफ कर दिए जाने वाले और 2024 में फिर लोकसभा में सांसद बनाए जाने वाले।मणिशंकर अय्यर राजीव गांधी द्वारा अपने सहयोगियों की निकटतम टीम में शामिल किए जाने वाले, यूपीए में मंत्री बनाए जाने वाले, मोदी के खिलाफ उस लेवल की टिप्पणी करने वाले जैसी खुद मोदी करते हैं और कांग्रेस सख्त नापसंद करती है। याद रहे कि अय्यर की टिप्पणी के बाद पार्टी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया था। और अश्विनी कुमार जिनका किसी तरह का कोई आधार नहीं था वे मंत्री भी बने और पंजाब का होने का फायदा उठाकर मनमोहन सिंह के नजदीक भी पहुंचे वे। यह सब ऐसे समय में मोदी के समर्थन में आए हैं जब उनकी पार्टी और संघ में भी एपस्टीन फाइल, मधु किश्वर और सुब्रमण्यम स्वामी के आरोपों और अमेरिका से डील को लेकर बैचेनी है। कांग्रेस अपने ऐसे विश्वासघातियों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लेती है। केवल कहती रहती है। इससे इस तरह के लोगों के हौसले बढ़ते रहते हैं। 2014 के बाद कितने ही नेता भाजपा में गए। मध्यप्रदेश में सरकार तोड़ी। कांग्रेस नरेटिव (धारणा) की लड़ाई का महत्व अभी भी नहीं समझ रही है। वह सत्य जितेगा के सिद्धांत पर डटी हुई है। मगर इस व्यवहारिकता को नहीं समझ रही कि जब तक सत्य जितेगा तो वह हाल हो चुका होगा कि सत्य की जीत को सेलिब्रेट करने वाला भी कोई बचेगा या नहीं! जब भी मोदी को जरूरत होती है कांग्रेस के ऐसे जयचंद उनके समर्थन में खड़े हो जाते हैं। मैसेज यह जाता है कि मोदी की लोकप्रियता कम नहीं हुई है। जबकि आज की तारीख में प्रधानमंत्री मोदी सबसे कमजोर विकेट पर हैं। घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर उनकी कमजोरियां सामने आ गई हैं। विश्वगुरु बन रहे थे मगर ईरान पर हमले के खिलाफ एक शब्द नहीं बोल सके। विदेश नीति जिसकी तारीफ कांग्रेस के ये नेता कर रहे हैं इतनी भ्रमित हो चुकी है।

बच्चों की जिंदगियां बेतरतीब करते स्मार्टफोन

डॉ देवेन्द्र नाथ शर्मा

भारत में 50 प्रतिशत से अधिक किशोर रोज चार घंटे से ज्यादा टाइम स्क्रीन पर बिताते हैं, जिससे पढ़ाई, खेल और परिवार से संवाद का समय कम हो जाता है। इससे मोटापा, आलस्य, थकान और कमजोर स्टैमिना की समस्याएं बढ़ रही हैं। 60 प्रतिशत बच्चों में नींद पूरी नहीं होने से उनमे चिड़चिड़ापन और गुस्सा की प्रवृत्ति बढ़ती है तथा अपने भावनात्मक नियंत्रण की क्षमता कमजोर होने लगती है। चार घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम वाले 25.9 प्रतिशत बच्चे अवसादग्रस्त पाए गए जबकि इससे कम स्क्रीन टाइम वाले बच्चों में केवल 9.5 प्रतिशत ही अवसाद की समस्या पाई गई। तकनीक ने मोबाइल के जरिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म और गेमिंग व ऐसे ही अन्य कई ऐप्स की लत से विश्व भर के बच्चों को एक खतरनाक और गंभीर स्थिति में ला दिया है। बच्चों में मानसिक व शारीरिक विकार बढ़ रहे हैं, वे साइबर अपराधों के शिकार हो रहे हैं। मोबाइल के कारण बच्चे आत्महत्या कर लगे हैं। बच्चों के सामाजिक व शैक्षिक जीवन पर इसका बुरा असर हो रहा है। 140 करोड़ की जनसँख्या के इस देश में दिसंबर 2025 तक 124.42 करोड़ मोबाइल धारक और 1.02 करोड़ से अधिक इंटरनेट ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता हो गए हैं। हर माह प्रति व्यक्ति औसत डाटा की खपत 25 जीबी वाला हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा दूसरा दूरसंचार बाजार है। कोरोना काल में स्कूल बंद होने के कारण ऑनलाइन कक्षाएं संचालित कर बच्चों की पढ़ाई करवाने के सरकारी फरमान के बाद स्कूली बच्चों के हाथों में स्मार्टफोन देना पालकों की विवशता हो गई। हालांकि केंद्र के सरकारी और ऊँची फीस वाले निजी स्कूलों में इन ऑनलाइन कक्षाओं का विधार्थियों ने भरपूर लाभ लिया और अपनी सीखना जारी रखा, लेकिन लाखों सरकारी व छोटे गैर–सरकारी स्कूलों में यह मात्र औपचारिकता ही रहा और विधार्थी सीखने में पिछड़ गए। इस समूची कवायद का हश्र यह हुआ कि आदिवासी व ग्रामीण बसाहटों और शहरी झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाले गरीब परिवारों के अधिकतर बच्चों को छोड़ कर देश भर के करोड़ो बच्चों के हाथों में यह उपकरण आ गया। सूचना, ज्ञान, संचार, वित्तीय लेनदेन और नियंत्रित मनोरंजन जैसी मूल आवश्यकताओं पीछे छोड़ ज्यादातर बच्चे इस उपकरण का व्हाट्सअप, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम, जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स, यू–ट्यूब व गेमिंग के एप्स, सेल्फी, विडियो व रील बनाने आदि में जरुरत से बेहिसाब ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं। घंटों स्क्रीन पर अपनी आँखें और ध्यान गड़ाए रख आभासी दुनिया में विचरण करने लगते हैं। यह स्थिति कई चिंताए पैदा करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन जैसी मानक संस्थाओं के अध्ययनों के अनुसार भारत में 2 साल से कम उम्र के 61 प्रतिशत बच्चे स्क्रीन देखना शुरू कर देते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि 2 साल तक के बच्चों को स्क्रीन बिल्कुल ही नहीं दिखानी चाहिए। भारत में 50 प्रतिशत से अधिक किशोर रोज चार घंटे से ज्यादा टाइम स्क्रीन पर बिताते हैं, जिससे पढ़ाई, खेल और परिवार से संवाद का समय कम हो जाता है। इससे मोटापा, आलस्य, थकान और कमजोर स्टैमिना की समस्याएं बढ़ रही हैं। 60 प्रतिशत बच्चों में नींद पूरी नहीं होने से उनमे चिड़चिड़ापन और गुस्सा की प्रवृत्ति बढ़ रही है तथा उनमें भावनात्मक नियंत्रण की क्षमता कमजोर होने लगी है। चार घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम वाले 25.9 प्रतिशत बच्चे अवसादग्रस्त पाए गए जबकि इससे कम स्क्रीन टाइम वाले बच्चों में केवल 9.5 प्रतिशत ही अवसाद की समस्या पाई गई। बाजार की जरूरतों के मद्देनजर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म और गेमिंग सहित कई लुभावनी एप्स को जानबूझकर इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वह बच्चे लंबे समय तक मोबाइल से बंधे रहें और इसके इस्तेमाल की लत के शिकार हो जावें। लत में पड़ कर वे देर रात तक जाग रहे हैं, नींद पूरी न होने से शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है, आत्म विश्वास कम हो रहा है। दूर तक देखने की क्षमता कम होने सहित नेत्र दोषों के शिकार हो रहे बच्चे। स्थिति यह हो जाती है कि वे मोबाइल के उपयोग से अपने आप को रोक ही नहीं पाते हैं। बार–बार व्हाट्सअप, फेसबुक या इंट्राग्राम पर पोस्ट चेक करते हैं। यहाँ तक बाथरूम में भी मोबाइल साथ रहता है। मोबाइल के बिना रहने, नेटवर्क न मिलने या फोन खो जाने का तर्कहीन डर उनमे बना रहता है। पोस्ट पर आने वाली लाइक्स और कमेंट्स उनके इए व्यक्तित्व की स्वीकृति का आधार बन उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित करने लगती हैं। यह स्थिति नोमोफोबिया नामक एक आधुनिक मानसिक विकार है, जो 12 से 23 वर्ष के बच्चों में ज्यादा पाया जाता है। चिड़चिड़ापन, गुस्सा, तनाव, चिंता, घबराहट, कांपना, पसीना आना, अकेलापन, और अवसाद इसके लक्षण हैं। कुछ बच्चों पर मोबाइल इस कदर हावी होता जा रहा है कि वे वर्चुअल दुनिया में खोये से रहते हैं। रोकने–टोकने पर तनावग्रस्त होकर क्रोध में आ जाते हैं, आपा खोकर असामान्य व्यवहार करने लगते हैं। मोबाइल के उपयोग पर सख्ती से मनाही करने या मोबाइल छुड़ा लेने की स्थिति में कई बार बच्चे आत्महत्या तक कर लेते हैं। मोबाइल के कारण बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने के खबरें कहीं न कहीं से रोज सुनने को मिलती हैं। फेसबुक व इंस्टाग्राम पर अनियंत्रित आपत्तिजनक, अश्लील, उत्तेजक व बहलाने–फुसलाने वाले कंटेंट, बच्चों को गलत कामों, अपराधों, यौन उत्पीडन, ब्लेकमेलिंग और मानव तस्करी जैसे खतरों में धकेल रहे हैं। संसद में सरकार ने बताया है कि 2001 से 2023 तक दो वर्षों में बच्चों के विरुद्ध साइबर अपराध 38 प्रतिशत बढ़े हैं जबकि कुछ राज्यों जैसे केरल में 172 प्रतिशत, उत्तराखंड में 178 प्रतिशत, कर्नाटक में 121 प्रतिशत व छत्तीसगढ़ में 119 प्रतिशत की चिंताजनक बढौतरी दर्ज की गई है।

अधिकारियों ने जांची गेहूं की उत्पादकता'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर अपर सांख्यिकी अधिकारी चकलेश्वर सिंह की देखरेख में फसलों की औसत उपज और उत्पादन के आंकड़ों के संकलन को लेकर विकासखण्ड भावलखेड़ा के ग्राम पंचायत सल्लिया में गेहूं की फसल कटाई की स्थिति

का जायजा लिया। अपर संख्या अधिकारी चकलेश्वर सिंह ने सल्लिया के कृषक अनुराग कुमार के खेत में 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के 10–10–10 मीटर का समबाहु त्रिभुज का प्लॉट बनावाकर सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से फसल की क्रॉप कटिंग कराई। इसके बाद उन्होंने गेहूं की पिटाई कराकर उसकी तौल भी कराई, जिसमें 23.09 किलो ग्राम की फसल प्राप्त हुई। अपर सांख्यिकी अधिकारी ने किसान बन्धुओं से आग्रह किया कि किसान अपनी फसलों का बीमा व किसान पंजीकरण अवश्य कराएं जिससे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर क्षेत्रीय कानूनगो अवधेश बाजपेई,लेखपाल अखिलेश कुमार, बीमा कम्पनी के जिला समन्वयक समी आलम, अभिषेक सिंह व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

विश्व शांति के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय सदभावना यात्रा नेपाल रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्त

जौनपुर। लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सदभावना यात्रा जौनपुर से नेपाल (काठमांडू व पोखरा) तक मंगलवार को प्रातः पांच बजे कोतवाली चौराहा से रवाना हुई। सदभावना यात्रा को डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसका उद्देश्य विश्व शांति का संदेश और सामुदायिक भाईचारे को बढ़ावा देने। पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य व स्वच्छता, सामाजिक सौहार्द्र, सामाजिक, सांस्कृतिक आदान–प्रदान के उद्देश्य से सत्रह सदस्यों का एक दल संस्थाध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता के नेतृत्व में गया है। जिसमें चार्टर सचिव अरुण त्रिपाठी, मनोज चतुर्वेदी, संजय श्रीवास्तव, डॉ अमित पाण्डेय, अश्वनी बैंकर, संदीप गुप्ता, संतोष त्रिपाठी, लियो क्लब अध्यक्ष इशविन गुप्ता, पूजा त्रिपाठी, जूली गुप्ता, मधु चतुर्वेदी, हेमा श्रीवास्तव, सोना बैंकर, संगीता गुप्ता, अर्चना त्रिपाठी व अभिषेक बैंकर आदि दल में शामिल हैं। यात्रा में गुडविल एंड पीस वाल नामक बैनर पर जगह जगह लोगों से संदेश लिखवाते हुए हस्ताक्षर भी कराया जा रहा है। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सद्भावना यात्रा दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध, शांति, एकता और अच्छी भावनाओं को बढ़ावा देने की एक पहल है। यह सांस्कृतिक आदान–प्रदान, सहयोग और आपसी समझ को मजबूत करने का प्रयास करेगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य विश्व में शांति की कामना करना और सामुदायिक भाईचारे को बढ़ावा देना है। सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने कहा कि क्लब्स ट्यूनिंग व यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के अन्तर्गत भारत और नेपाल के लायन्स क्लबो के बीच मैत्री कार्यक्रम का भव्य आयोजन है। सदभावना यात्रा दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों, शांति, भ्रातृत्व और सेवा कार्यों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण जरिया है। ये अंतरराष्ट्रीय मैत्री की मिसाल है। दोनों देशों के सदस्यों ने आपसी सहयोग, भाईचारे और सेवा भाव को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।इस अवसर पर सोमेश्वर केसरवानी, सचिव योगेश साहू, रंजीत सिंह सहित दर्जनों लोगों ने सदभावना बैनर पर संदेश लिखकर यात्रियों को शुभकामनाएं दी।

पूजन हवन के साथ बीआरपी कॉलेज में नए सत्र का शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बी.आर.पी. इंटर कॉलेज में नए शैक्षिक सत्र का शुभारंभ छात्र–छात्राओं के भव्य स्वागत के साथ किया गया। इस अवसर पर पूरा विद्यालय परिसर आकर्षक रूप से सजाया गया था। प्रधानाचार्य और सभी शिक्षकों ने रोली, चंदन एवं पुष्प वर्षा के साथ विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। नए सत्र की सफलता और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के लिए मां सरस्वती और भगवान हनुमान के आशीर्वाद हेतु सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पिछले दो वर्षों में विद्यालय ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, शैक्षिक गुणवत्ता और अनुशासन में लगातार सकारात्मक सुधार किया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का पठन–पाठन निरंतर उत्कृष्टता की ओर बढ़ रहा है।डॉ. श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष से विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं शुरू की गई थीं। इस वर्ष इसे और विस्तारित करते हुए कक्षा 6, 7, 8 और 9 के साथ–साथ कक्षा 11 (कॉमर्स एवं साइंस) में भी अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं प्रारंभ की जा रही हैं। इन कक्षाओं का संचालन जनपद स्तर के कुशल, योग्य और प्रतिष्ठित शिक्षकों द्वारा किया जाएगा।अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कॉन्वेंट की तर्ज पर एक अलग ब्लॉक स्थापित किया जा रहा है। यहां आधुनिक सुविधाओं और उच्च स्तरीय शिक्षण वातावरण के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा न्यूनतम (सरकारी) शुल्क पर प्रदान की जाएगी।विद्यालय की अन्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए प्रधानाचार्य ने बताया कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की प्रयोगशालाएं (जीवविज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान) पूरे सप्ताह नियमित रूप से संचालित होती हैं। उच्च स्तरीय उपकरणों के माध्यम से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण प्रायोगिक शिक्षा प्रदान की जाती है।विद्यालय में दो स्मार्ट क्लासेस के माध्यम से डिजिटल शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। कंप्यूटर शिक्षा के लिए भी अलग से समुचित व्यवस्था है।इसके अतिरिक्त, मोटिवेशनल कक्षाओं का संचालन भी किया जाता है। भाषाई दक्षता को सुदृढ़ करने के लिए कक्षा 6 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों के लिए प्रति सप्ताह हिंदी एवं अंग्रेजी की विशेष कक्षाएं अनिवार्य की जा रही हैं। इन कक्षाओं में भाषा ज्ञान, उच्चारण और त्रुटि सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।विद्यालय में अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए छात्रों की दैनिक उपस्थिति ऑनलाइन माध्यम से अभिभावकों तक प्रेषित की जाती है। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय के छात्र–छात्राएं विज्ञान मॉडल, खेलकूद, वाद–विवाद, निबन्धा, पोस्टर एवं अन्य प्रतियोगिताओं में जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। विद्यालय में प्रतिवर्ष दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन भी अनिवार्य रूप से किया जाता है। सांस्कृतिक गतिविधियों में भी विद्यालय के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रहती है, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है।

पुलिस मुठभेड़ में जहरखुरान गिरफ्तार, तमंचा–कारतूस व नकदी बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शाहगंज पुलिस ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के दौरान जहरखुरानी कर लूटपाट करने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से तमंचा, कारतूस और 9000 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जबकि उसके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान पंकज निषाद निवासी जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। इस संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके आधार पर चिरैया मोड़ रेलवे लाइन के पास घेराबंदी की गई।मुठभेड़ के दौरान पंकज निषाद को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से 0.315 बोर का तमंचा कारतूस और 9000 रुपये नकद बरामद हुए हैं। पूछताछ में अभियुक्त ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर ट्रेन और रोडवेज बस से उतरने वाले यात्रियों को वाहन सुविधा का झांसा देकर अपनी चार पहिया गाड़ी में बैठाता था। इसके बाद उन्हें नशीला पदार्थ देकर बेहोश कर देता और उनका सामान लूट लेता था। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि बरामद 9000 रुपये 18 मार्च 2026 को शाहगंज रोडवेज से एक वृद्ध महिला को नशा देकर लूटे गए धन का हिस्सा है। उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ फिर से वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज भेजा गया है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। इस संबंधा में थाना शाहगंज में बीएनएस और 3ध्25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जौनपुर में 21 अप्रैल से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा, निकलेगी भव्य शोभायात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार हेतु श्री सनातन परिवार फाउंडेशन नैमिषारण्य द्वारा जनपद में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन नगर स्थित बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में 21 अप्रैल से प्रारंभ होगा, जबकि कथा का विधिवत वाचन 22 अप्रैल से शुरू होगा। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथावाचक शिवानंद भाई श्री महाराज के मुखारविंद से होने वाली इस कथा में बड़ी संख्या में सनातन धर्म के अनुयायियों के जुटने की संभावना है। इस संबंध में देश की उपासना ब्यूरो से बातचीत करते हुए महाराज ने बताया कि 21 अप्रैल को नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिससे पूरे आयोजन का शुभारंभ होगा। उन्होंने बताया कि कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का वर्णन किया जाएगा, जिससे लोग अपने जीवन में उनके आदर्शों को अपनाकर जीवन को सार्थक बना सकें। साथ ही अंतिम दिन फूलों की होली एवं विभिन्न कलाकारों द्वारा भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। महाराज ने जनपदवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा का श्रवण करें और धर्म लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि जनपद में पूर्व में भगवान श्रीराम की कथाएं कई विद्वान कथावाचकों द्वारा सुनाई जा चुकी हैं, ऐसे में इस बार भागवत कथा का आयोजन विशेष रूप से किया जा रहा है, ताकि सनातन धर्म के अनुयायी भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं से और अधिक परिचित हो सकें। उन्होंने यह भी बताया कि कथा के दौरान प्रतिदिन हनुमान जी की कृपा से सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद स्वरूप भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

4 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार, कार व मोबाइल बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपराध नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के तहत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सुजानगंज थाना अंतर्गत पुलिस टीम ने 04 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत सुजानगंज थाना पुलिस टीम ने पंचरास्ताध्बारा पुलिया के पास से अभियुक्त अभिषेक तिवारी (29) पुत्र बृजभूषण तिवारी निवासी ग्राम रतनपुर नगौली थाना सुजानगंज, जौनपुर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 04 किलो 500 ग्राम अवैधा गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक कार एक एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ थाना सुजानगंज में मु0अ0सं0 110ध्2026 धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है। इसके पूर्व वर्ष 2021 में थाना मुगराबादशाहपुर में उसके खिलाफ धारा 272, 273, 419, 420, 467, 468, 471 भादवि एवं आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। साथ ही एनडीपीएस एक्ट के तहत भी उस पर कार्रवाई हो चुकी है। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जमा होगा गृहकर, 30 जून तक मिलेगी छूट

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम में गृहकर जमा करने का काम सोमवार से शुरू होगा। जो भवनस्वामी नए वित्तीय वर्ष का गृहकर 30 जून के पहले जमा करेंगे उनको 10 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। जिन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष गृहकर जमा नहीं किया वह 12 प्रतिशत ब्याज के साथ जमा कर सकेंगे। बीते वित्तीय वर्ष में गृहकर जमा न करने वालों की तादाद दो लाख से अधिक है। इसके अलावा उन भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं व आश्रितों को भी गृहकर में छूट मिलेगी जिनको देश सेवा के लिए विशिष्ट चक्र से सम्मानित किया गया है। भारत रत्न वालों के साथ ही राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभावान खिलाड़ियों, वैज्ञानिकों व पत्रकारों को भी छूट दी जाएगी। ऐसे भवनस्वामियों को गृहकर में पांच–पांच प्रतिशत की छूट मिलेगी जिनका वार्षिक किराया मूल्यांकन (एआरवी) 900 रुपये तक होगा। सोमवार से गृहकर नामांतरण का शुल्क भी जमा किया जा सकेगा। नगर निगम में कार्यरत केंद्रीयत व अकेंद्रीयत सेवा के उन कर्मचारियों को गृहकर नहीं देना होगा जिनका शहर में एक ही मकान है और वह उसमें स्वयं रहते हैं। भारत रत्न, राष्ट्रपति से शौर्य पदक प्राप्त पुलिस कर्मी या अधिकारी और अर्जुन पदक धारक गृहकर से मुक्त होंगे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उनकी विधवाओं और उनके आश्रित (नाबालिग बच्चे तथा अविवाहित पुत्री) को भी गृहकर नहीं देना होगा। ऐसे भूतपूर्व सैनिक जिन्हें परमवीर चक्र, अशोक चक्र तथा अन्य सैनिक अथवा असैनिक शौर्य चक्र से सम्मानित किया हो। ऐसे सैनिकों की विधवाओं अथवा उनके आश्रितों (पति, पत्नी, नाबालिग बच्चे एवं अविवाहित पुत्री) को भी छूट दी जाएगी। बशर्ते भवन आवासीय हो और वह उसमें स्वयं निवास करते हों। – 80 से 100 प्रतिशत तक दिव्यांगों को गृहकर में शतप्रतिशत तथा 50 से अधिक व 80 प्रतिशत से कम दिव्यांगों को 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

सेफ मोबिलिटी प्रोग्राम' से महिला सुरक्षा और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ, (संवाददाता)।,उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को नई ऊंचाई देने की दिशा में सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'सेफ मोबिलिटी प्रोग्राम' की शुरुआत की है। इस योजना के तहत प्रदेश में महिला ई–रिक्शा पायलटों की एक सशक्त श्रृंखला तैयार की जा रही है, जिससे बालिकाओं और महिलाओं को विद्यालय, कार्यस्थल और अन्य आवश्यक स्थानों तक सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी।योजना के प्रारंभिक चरण में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को 1000 ई–रिक्शा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, कौशांबी और झांसी जनपदों में इस सुविधा की शुरुआत हो चुकी है, जबकि लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र, देवरिया, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में इसे शीघ्र शुरू किए जाने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला चालकों द्वारा संचालित ई–रिक्शा सेवा महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन का बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। इससे महिलाओं के आवागमन में सुरक्षा बढ़ने के साथ समाज में उनके प्रति विश्वास और सम्मान की भावना भी मजबूत होगी।उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के तकनीकी सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पांच जनपदों में 119 महिलाओं को ई–रिक्शा उपलब्ध कराकर उन्हें उद्यमी बनाया जा चुका है। इसके अलावा 629 महिलाओं को संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है तथा 244 महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए गए हैं। योजना से जुड़ी महिलाओं की औसत वार्षिक आय तीन लाख रुपये से अधिक पहुंचने से यह पहल आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो रही है।'सेफ मोबिलिटी प्रोग्राम' का प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे बेटियों की विद्यालय तक पहुंच आसान होगी, कामकाजी महिलाओं का सफर सुरक्षित बनेगा और गांवों में स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं इस योजना के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल स्थापित कर रही हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। महिला सुरक्षा, सम्मानजनक परिवहन और स्वरोजगारकृइन तीनों क्षेत्रों पर एक साथ सकारात्मक प्रभाव डालने वाली यह पहल प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य में व्यापक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कचहरी व स्टेडियम में बनेगा शौचालय,बेहतर होगी पेयजल जल व्यवस्था - महापौर

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने जनसुनवाई श्संभवश के दौरान जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि गर्मी के मद्देनजर नगर निगम क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था की जांच तत्काल प्रभाव से कर ली जानी चाहिए।महापौर ने कहा कि गर्मी के दौरान डायरिया, गैस्ट्रो, टाइफाइड, मलेरिया, डेंगू, फायलेरिया, पीलिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका को देखते हुए पानी की सप्लाई प्वाइंट पर ही जांच कर आवश्यकतानुसार क्लोरिनेशन व्यवस्था को सुनिश्चित कराया जाना आवश्यक है।उन्होंने इस संबंध में जल निगम एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम को संयुक्त रूप से पहल करने की हिदायत दी।महापौर ने कचहरी एवं स्टेडियम में शौचालय निर्माण संबंधी कार्यवाही को तत्काल शुरू करने का निर्देश दिया।उन्होंने सड़क–नाली निर्माण कार्य संबंधी अन्य समस्याओं का समयवद्ध निस्तारण करने का निर्देश दिया।इस मौके पर सीवर लाइन जोड़ने, नालियों की सफाई कराने, मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराने, पेयजल के लिए वाटर कूलर लगाने का निर्देश दिया गया।इस मौके पर सफाई कर्मचारी नेता विनय बाघमार की अगवाई में प्रतिनिधि मंडल महापौर से मिला और मृतक आश्रित नियुक्ति संबंधी प्रकरण पर त्वरित कार्यवाही करने की मांग की, जिस पर महापौर एवं नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि बछड़ा सुलतानपुर निवासी प्रकाशचंद्र द्विवेदी एवं बलराम मौर्य की अगुवाई में नागरिकों ने पार्षद छोटू यादव के आवास से आलोक द्विवेदी के आवास तक लगभग 100 मीटर लंबी सड़क निर्माण की मांग की। श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के रजनीश एवं अंकित कुमार ने जलभराव दूर करने के लिए सड़क एवं नाली निर्माण कार्य की आवश्यकता जताई। दीपपुर शिवनगर के सुशील कुमार द्विवेदी ने खड़ंजा निर्माण कार्य अधूरा रहने की शिकायत दर्ज कराई। इन शिकायतों पर महापौर ने जांच के आदेश दिए। इस मौके पर पूर्व उपसभापति जयनारायण सिंह शरिंकूश, पार्षद अनुज दास, चंदन सिंह, अंकित त्रिपाठी, गणेश चंद्र मिश्र के अलावा अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत भार्गव, जल निगम के महाप्रबंधक सौरभ श्रीवास्तव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेंद्र कुमार, निर्माण खंड के सहायक अभियंता राजपति यादव आदि मौजूद थे।

सराफ व पत्नी से बदमाशों ने लूटे 5.30 लाख रुपये

लखनऊ, (संवाददाता)। माल–काकराबाद मार्ग पर जेहटा पुल के पास रविवार शाम लगभग 4रू30 बजे सराफ सुभाष चंद्र मौर्य व उनकी पत्नी मिथलेश से कार सवार बदमाश बैग लूट ले गए। बैग में 5.30 लाख रुपये रखे थे। कारोबारी की तहरीर पर पुलिस ने लूट की रिपोर्ट दर्ज की है। साथ ही कार नंबर के आधार पर बदमाशों की तलाश में लगी है। काकोरी के कुसमौरा निवासी सुभाष चंद्र मौर्य के बेटे यश मौर्य के अनुसार पिता की काकोरी में सराफे की दुकान है। रविवार को पिता और मां पांच लाख रुपये लेकर चौक सराफा मार्केट से सामान लेने के लिए स्कूटी से निकले थे। दोनों ने माल के जेहटा में एक व्यक्ति से 30 हजार रुपये बकाये के लिए। मां ने सारे रुपये बैग में रखे थे। जेहटा से निकलकर कुछ दूर जाने के बाद पिता की स्कूटी की बैटरी खराब हो गई। वह सड़क किनारे रुक गए और उन्हें फोन कर कार लेकर बुलाया। यश के अनुसार, माता–पिता उनका इंतजार कर रहे थे। इस बीच कार सवार कुछ लोग वहां पहुंचे और पता पूछने के बहाने दंपती के पास गए। इसी दौरान बदमाश मां के हाथ से रुपये से भरा बैग लूटकर चंद्रिका देवी बाईपास की तरफ भाग गए। चर्चा है कि बदमाशों की कार में एक महिला भी सवार थी।

नर्सिंग कॉलेजों का निरीक्षण करने वाली टीम को लगाना होगा बॉडी कैमरा, धांधली रोकने की नई रणनीति

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में निजी नर्सिंग कॉलेजों के निरीक्षण में होने वाली धांधली रोकने की नई रणनीति बनाई गई है। अब निरीक्षण करने वाली टीम को बॉडी कैमरा लगाना होगा। हर गतिविधि का लाइव प्रसारण किया जाएगा। प्रदेश में हर साल करीब 250 निजी नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। जो कॉलेज पहले से खुले हैं, उनमें सीटें बढ़ाने के लिए भी निरंतर आवेदन आ रहे हैं। इस वर्ष नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के डिप्लोमा एवं डिग्री कोर्स के लिए आनलाइन आवेदन लिए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी में करीब ढाई हजार से अधिक आवेदन जमा हुए हैं। आवेदन करने वाले कॉलेजों की जांच की जाएगी। जांच में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलने के बाद मान्यता दी जाएगी। आमतौर पर

आरोप लगता है कि जांच पर जाने वाली टीम लेनदेन करती है। कॉलेजों में संसाधन नहीं होने के बाद भी मान्यता मिल जाती है। वहीं, तमाम कॉलेजों में सभी व्यवस्थाएं होने के बाद भी मान्यता नहीं मिलती है। पिछले वर्ष सभी सुविधाएं होने के बाद भी कई कॉलेज मान्यता और सीट वृद्धि से बाहर हो गए थे। कुछ कॉलेज संचालकों ने हाईकोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था। निरीक्षण के लिए जाने वाली टीम हमेशा विवादों में रहती है। इस विवाद को खत्म करने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नई रणनीति तैयार की है। तय किया है कि इस वर्ष स्थलीय निरीक्षण के दौरान सजीव प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी।

प्रीपेड मीटर से जनता 'प्रीपेड पीड़ित' बन गई, भाजपा सरकार ने उपभोक्ताओं को 'उपभुगता' बना दिया : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के गलत फैसलों और लापरवाही के कारण उत्तर प्रदेश में पीड़ित लोगों की एक नई श्रेणी बन गई है, जिसे उन्होंने 'प्रीपेड पीड़ित' का नाम दिया है। उन्होंने कहा कि प्रीपेड बिजली मीटर लगाने के बावजूद स्मार्ट मीटर की खामियों के कारण लोगों को बार–बार बिजली कटौती की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिससे वे भीषण गर्मी और अंधेरे की परेशानी झेलने को मजबूर हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि जब उपभोक्ता बिजली इस्तेमाल करने से पहले ही अपने खाते में पैसा जमा कर देता है, तो फिर सरकार और बिजली कंपनियां जनता को क्यों परेशान कर रही हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि बिजली कंपनियों को तो पहले ही भुगतान मिल जाता है, इसके बावजूद आम जनता की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि परेशान उपभोक्ता अपनी शिकायत लेकर इधर–उधर भटकने को मजबूर हैं, लेकिन उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार और कंपनियों के बीच मिलीभगत के कारण जनता की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा शासन में अब जनता 'उपभोक्ता' नहीं रह गई है।

राजस्थान में टैफे जेफार्म का उद्घाटन, कृषि समुदाय के सशक्तीकरण की ओर एक और कदम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ । दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माताओं में से एक, ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने भवानी मंडी, राजस्थान में अपने अनुकूली अनुसंधान केंद्र, कैफे जेफार्म का उद्घाटन किया, जो टिकाऊ कृषि पद्धतियों को साझा करके कृषि उत्पादकता और किसानों की समृद्धि को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। कार्यक्रम की शुरुआत में टी.आर. केशवन, ग्रुप प्रेसिडेंट – कॉर्पोरेट रिलेशन एंड अलायन्सेज, ने एक विशेष संबोधन प्रस्तुत किया। टैफे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संदीप सिन्हा ने स्थानीय सरकारी संगठनों के प्रमुख सदस्यों, राजस्थान डीलर पार्टनरों और सबसे महत्वपूर्ण अतिथियों – अपने ग्राहकों की उपस्थिति में इस केंद्र का उद्घाटन किया। नव उद्घाटित जेफार्म राजस्थान एक अत्याधुनिक तथा एकीकृत कृषि अनुसंधान एवं विकास केंद्र है, जो अपने विभिन्न अनुभागों के माध्यम से किसानों को सहायता प्रदान करता है जिसमें ग्राहक अनुभव केंद्र (सीईसी) जो लाइव प्रदर्शनों और इंटरैक्टिव अनुभवों के माध्यम से टैफे की उत्पाद श्रृंखला का निदर्शन करता है और उत्पाद प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी) जो डीलरों, सेवा कर्मियों और किसानों के लिए व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करता है। जबकि किसान संपर्क केंद्र ज्ञान प्रसार, सर्वोत्तम पद्धतियों और आधुनिक कृषि तकनीकों पर जानकारी उपलब्ध कराता है। इस केंद्र का उद्देश्य किसानों को केवल व्यावहारिक जानकारियाँ प्रदान करना ही नहीं, बल्कि रियल–टाइम निदर्शन के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाना भी है, ताकि उनकी उत्पादकता और दक्षता में सुधार हो सके। किसानों को इस केंद्र में कृषि विज्ञान के साथ–साथ कृषि पद्धतियों में नवीनतम प्रगतियों की जानकारी मिलेगी, जैसे कि फसल उत्पादन, संरक्षण और प्रसंस्करण के रुझान, साथ ही भारतीय कृषि परिस्थितियों के अनुकूल अपनाए गए विश्व स्तरीय कृषि मशीनीकरण समाधान भी प्रदर्शित होंगे। जे फार्म भवानी मंडी केंद्र किसानों की सक्रिय भागीदारी के साथ राजस्थान के कृषि परिदृश्य को अधिक उत्पादकशील तथा संधारणीय भविष्य की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। टैफे अपने ग्राहकों को सशक्तीकरण प्रदान कर, एक प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और समृद्ध कृषि समुदाय बनाने की दिशा में प्रयासरत है। टैफे की विशिष्ट कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण पहल – जे फार्म की स्थापना 1964 में चेन्नई के केलंबक्कम में हुई थी और तब से यह कृषि मशीनीकरण और जमीनी स्तर पर कृषि आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केलंबक्कम के अलावा, तेलंगाना में भी एक जेफार्म केंद्र मौजूद है। राजस्थान की जेफार्म और उत्पाद प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी) एक सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) पहल है और देश में यह इस प्रकार का तीसरा केंद्र है। उद्घाटन के अवसर पर, टैफे की वाइस चेयरमैन डॉ. लक्ष्मी वेणु ने कहा, "हमारा मानना है कि क्षेत्र विशिष्ट ज्ञान, उपयुक्त प्रौद्योगिकी और संधारणीयता अपनाकर ही भारतीय कृषि प्रगति को गति मिल सकती है। जेफार्म राजस्थान का उद्घाटन इसी विश्वास का प्रतिबिंब है, साथ ही हम अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से किसानों के विकास में उनके साझेदार बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह केंद्र व्यावहारिक शिक्षण के अवसर प्रदान करता हैकृजहाँ किसान प्रत्यक्ष कृषि निदर्शनों, फसल–विशिष्ट अनुप्रयोगों और लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समाधानों को देख, अनुभव और अपना पाएँगे। जेफार्म राजस्थान, एक प्रमुख केंद्र के रूप में, कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने और राजस्थान तथा उत्तर भारत में किसानों तक इसके लाभ पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। टैफे अपने 'कल्टीवेटिंग द वर्ल्डश विजन के तहत राजस्थान के कृषि समुदाय के साथ अपने दीर्घकालिक जुड़ाव को मजबूत बनाने के साथ–साथ हमारी इस मान्यता को दर्शाता है कि संधारणीय कृषि विकास हमेशा समावेशी, व्यावहारिक और किसान–केंद्रित होना चाहिए।

शीघ्र ही अवैध रूप से संचालित सौ से अधिक कोचिंग संस्थानों पर शिक्षा विभाग लगायेगा अंकुश

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में सिर्फ एक दर्जन वैध कोचिंग संस्थान ही पंजीकृत है। जबकि जिले के सभी जगहों पर सैकड़ो कोचिंग संस्थान अवैध रूप से संचालित है। इनमें से कई अवैध रूप से संचालित पाए जाने वाले कोचिंग संस्थानों पर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जुर्माना भी लगाया गया लेकिन अभी तक अधिकतर कोचिंग संचालक जो की अवैध रूप से हैं उन्होंने जुर्माने की रकम कार्यालय में नहीं जमा किया है।जिसके लिए इन पर अंकुश लगाने के लिए अब शासन सख्त कदम उठा रही है।अब अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों पर अंकुश लगाने के लिए जिला अधिकारी की अध्यक्षता में समित का गठन किया गया है।इस समिति में जिला अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे अध्यक्ष है।वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी इस समिति के सचिव हैं।उनके अलावा इस समिति में सीएमओध् अथवा जिला चिकित्सालय

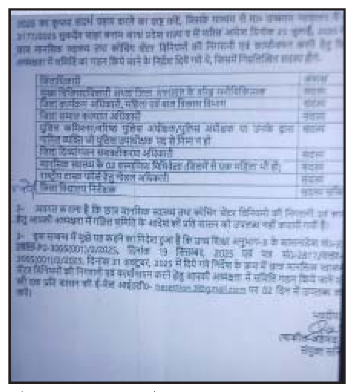

के वरिष्ठ मनोचिकित्सक, जिला कार्यक्रम अधिकारीध्, जिला समाज कल्याण अधिकारी, पुलिस विभाग के उच्चाधिकारीध्, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, मानसिक स्वास्थ्य के दो सामाजिक विधिवेत्ता(जिनमें से एक महिला हो) राष्ट्रीय टास्क फोर्स हेतु नोडल अधिकारी सदस्य के रूप में नामित किए गए हैं जो अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों पर अंकुश लगायेगे। बताते चलें जिले शहर के विभिन्न मुहल्लों, कालोनियो के अलावा विभिन्न तहसीलों ब्लॉकों पर अवैध रूप से संचालित कोचिंग व शिक्षा संस्थानों द्वारा भोले भाले छात्रों तथा उनके अभिभावकों से शिक्षक के नाम पर भारी भरकम रकम वसूली जा रही है जबकि सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं दिया जा रहा है। बताते चलें शहर के नियांवा, रिकाबगंज,साहबगंज, हैदरगंज, वजीरगंज, देवकाली, देवकाली बायपास, देवकाली तिराहा,नाका,सिविल लाइन शाहिद प्रमुख चौराहों पर काफी संख्या में अवैध रूप से कोचिंग संस्थान संचालित हैं।वहीं ग्रामीण अंचलों में बीकापुर, तारुन, जाना बाजार हैदरगंज रामपुर बागान मिल्कीपुर गोसाईगंज रुदौली सहित अधिकतर चौराहों व बाजारों में अवैध रूप से कोचिंग संस्थान संचालित है जहां पर शिक्षक के नाम पर दिखावा कर भोले भाले छात्रों व उनके परिजनों से भारी भरकम पैसे वसूल रहे हैं।परंतु इस पर संबंधित विभाग रोक लगाने में असफल दिखाई दे रहा है। अब देखना या है डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति के सदस्य इन अवैध कोचिंग संचालकों पर कब तक रोक लगाते है।

गैस किल्लत को लेकर कांग्रेस पदाधिकारियों ने डीएसओ ने सौपा ज्ञापन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। इस समय वैवाहिक सीजन के दौरान गैस सिलेंडर की भारी किल्लत एवं उपभोक्ताओं को हो रही परेशानियों को लेकर आज महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम के नेतृत्व में जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया।जिसमें शहर में गैस सिलेंडर की अनियमित आपूर्ति,विलंबित डिलीवरी तथा फर्जी डिलीवरी जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में वैवाहिक कार्यक्रमों की अधिकता के बावजूद आम जनता को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की।महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि कई गैस एजेंसियों द्वारा उपभोक्ताओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। कागजों में डिलीवरी दिखाकर वास्तविक वितरण नहीं किया जा रहा, जो अत्यंत गंभीर विषय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करने को बाध्य होगी।उन्होंने प्रशासन से मांग की कि गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, डिलीवरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए तथा दोषी एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा ने कहा कि जिन परिवारों में विवाह जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम निर्धारित हैं, उनके लिए विशेष व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे उन्हें प्राथमिकता के आधार पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा सके।इस अवसर पर प्रमुख रूप से सेवा दल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा, हैदर,पूर्व सभासद जनार्दन मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह फास्टर,अशोक कुमार राय,विवेक प्रताप शर्मा, कल्लू शर्मा, वीरू सिंह, अनिल सोनकर,विशाल दुबे ,सतीश सिंह आदि मौजूद रहे।

बिना सहमति व गलत नंबर अपडेट से स्मार्ट मीटर बदलने से दिखाई दे रहे उपभोक्ता परेशान

अयोध्या। अयोध्या में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है।उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली विभाग बिना उनकी जानकारी और सहमति के पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगा रहा है। इतना ही नहीं, मीटर बदलने के बाद न तो कोई आधिकारिक दस्तावेज दिया जा रहा है और न ही उपभोक्ताओं को इसकी सूचना दी जा रही है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है।स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि कई मामलों में तीन से चार महीने तक बिजली बिल नहीं आया। बाद में जब बिजली काट दी गई, तब उन्हें पता चला कि उनका मीटर पहले ही बदला जा चुका है। हैरानी की बात यह भी सामने आई कि मीटर में दर्ज मोबाइल नंबर भी गलत अपडेट कर दिए गए हैं,जिससे उपभोक्ताओं को बिल या अन्य सूचनाएं नहीं मिल पा रही हैं। हनुमानगढ़ी क्षेत्र के एक दुकानदार ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बिना सूचना उसके प्रतिष्ठान का मीटर बदल दिया गया। न तो उससे कोई सहमति ली गई और न ही कोई कागज दिया गया। बाद में पता चला कि मीटर में किसी अन्य व्यक्ति का मोबाइल नंबर दर्ज कर दिया गया है।जब उसने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत की, तो जल्दबाजी में नंबर अपडेट किया गया, लेकिन उसमें भी एक अंक गलत दर्ज कर दिया गया।ऐसे मामलों की संख्या हजारों में बताई जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है। लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारी घर के बाहर लगे मीटर को चुपचाप बदलकर चले जाते हैं और किसी प्रकार की सूचना नहीं देते।वहीं, जब इस मामले में अधिकारियों से बात की गई तो उनका कहना है कि सभी मीटर नियमानुसार बदले जा रहे हैं। हालांकि, इस दावे के विपरीत एक वीडियो भी सामने आ रहा है, जिसमें ऊर्जा मंत्री द्वारा लोकसभा में यह कहा गया है कि बिना उपभोक्ता की सहमति के स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे।अब सवाल उठता है कि यदि नियमों का पालन हो रहा है, तो उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी और दस्तावेज क्यों नहीं दिए जा रहे। मामला तूल पकड़ता जा रहा है और प्रशासन के लि उसए चुनौती बनता जा रहा है।

टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर एवं प्रवेश द्वार निर्माण हेतु डीएम की अध्यक्षता मे बैठक सम्पन्न

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने कलेक्ट्रेट सभागार में टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर एवं प्रवेश द्वार निर्माण हेतु भूमि की उपलब्धता के संबंध में समीक्षा बैठक की।बैठक में अयोध्या–रायबरेली मार्ग स्थित सोहावल तहसील में गरुड़ द्वार, अयोध्या–लखनऊ मार्ग पर श्रीराम द्वार, अयोध्या–प्रयागराज मार्ग पर भरत द्वार तथा अयोध्या–अंबेडकरनगर मार्ग पर जटायु द्वार के निर्माण हेतु प्रस्तावित निजी भूमि, वर्तमान में क्रय की गई भूमि एवं ग्राम समाज की भूमि की उपलब्धता के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान डीडी पर्यटन ने अवगत कराया कि ग्राम समाज की भूमि का अधिग्रहण कराया जाना प्रस्तावित है।भरत द्वार एवं श्रीराम द्वार के लिए भूमि क्रय की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा निर्माण कार्य में कोई विशेष बाधा नहीं है।गरुड़ द्वार के संबंध में बताया गया कि ग्राम कुरावा, तहसील सोहावल के गाटा संख्या–33 में 0.117 हेक्टेयर भूमि का परियोजना हेतु अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है। वहीं जटायु द्वार के लिए ग्राम राजेपुर उपरहार,गाटा संख्या–777 में 0.470 हेक्टेयर भूमि के एक भाग के स्वामी द्वारा भूमि विक्रय हेतु असहमति व्यक्त की गई है, जिसके संबंध में न्यायालय में वाद योजित है एवं प्रकरण विचाराधीन है।शेष भूमि का क्रय पूर्ण किया जा चुका है।इसके अतिरिक्त गरुड़ द्वार एवं जटायु द्वार पर टीएफसी हेतु क्रय की गई भूमि परिसंपत्तियों के भुगतान, तथा रायबरेली मार्ग स्थित पर्यटन विभाग की प्रस्तावित भूमि पर ग्रीन गैस द्वारा सीएनजी मदर स्टेशन की स्थापना से संबंधित प्रस्ताव की भी जानकारी बैठक में प्रस्तुत की गई।डीएम ने निर्देश दिए कि संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समस्त प्रस्तावों को शीघ्र अंतिम रूप दें।जिन प्रवेश द्वारों एवं टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है, उनके प्रस्ताव तत्काल तैयार कर प्रेषित किए जाएं, ताकि परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जा सके।बैठक में अपर जिलाधिकारी कौशल कुमार (भूध आ), अपर जिलाधिकारी (विध्रा) श्री अमित कुमार भट्ट, डीडी पर्यटन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, ने वर्ल्ड हेल्थ डे पर शुरू किया प्रिवेंटिव हेल्थ सेंटर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ । प्रोएक्टिव और प्रिवेंटिव हेल्थकेयर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने वर्ल्ड हेल्थ डे के अवसर पर अपने सेंटर फॉर प्रिवेंटिव हेल्थ की शुरुआत की। इस सेंटर का उद्घाटन श्री योगेश शुक्ला, मा. विधायक, बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र, लखनऊ ने किया, जिन्होंने शुरुआती पहचान और लाइफस्टाइल आधारित बीमारियों की रोकथाम के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। एडवांस्ड डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की मल्टीडिसिप्लिनरी टीम के सहयोग से यह नया सेंटर पर्सनलाइज्ड प्रिवेंटिव केयर, रिस्क असेसमेंट और लाइफस्टाइल गाइडेंस उपलब्ध कराएगा, जिससे लोग अपने स्वास्थ्य को पहले से बेहतर तरीके से मैनेज कर सकेंगे। लॉन्च के दौरान डॉ. नकुल सिन्हा, चेयरमैन – कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने कहा कि, "प्रिवेंटिव हेल्थकेयर अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट से जुड़ी बीमारियों जैसे लाइफस्टाइल डिजीज के बढ़ते मामलों के बीच, समय पर स्क्रीनिंग से लंबे समय की जटिलताओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अधिकांश जीवनशैली संबंधी रोग एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं और उनकी प्रोग्रेस व कॉम्प्लिकेशन एक–दूसरे को प्रभावित करते हैं। व्यापक जांच से हमें उन शुरुआती संकेतों की चेतावनी मिलती है जो भविष्य में गंभीर रूप ले सकते हैं। यह सेंटर लोगों को उनके रिस्क प्रोफाइल को समझने और समय रहते कदम उठाने में मदद करेगा।" डॉ. हृदयनाथ त्रिपाठी, डायरेक्टर एवं एचओडी – इंटरनल मेडिसिन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने इस सुविधा के होलिस्टिक अप्रोच पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कई गंभीर बीमारियां समय के साथ बिना लक्षण के विकसित होती हैं। स्ट्रक्चर्ड हेल्थ चेक–अप और विशेषज्ञ परामर्श के माध्यम से हमारा फोकस शुरुआती पहचान और मरीजों को लंबे समय तक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए मार्गदर्शन देना है। डॉ. सुशील गुप्ता, प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं हेड – एंडोक्रिनोलॉजी एवं डायबिटीज, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ ने मेटाबॉलिक डिसऑर्डर के प्रबंधन में प्रिवेंटिव केयर के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "भारत में डायबिटीज और एंडोक्राइन से जुड़ी बीमारियों के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। नियमित जांच और जोखिम कारकों की शुरुआती पहचान बेहद जरूरी है। यह सेंटर समय पर हस्तक्षेप और बेहतर रोग प्रबंधन में अहम भूमिका निभाएगा।" सेंटर फॉर प्रिवेंटिव हेल्थ में रूटीन हेल्थ चेक–अप, स्पेशलाइज्ड स्क्रीनिंग पैकेज और लाइफस्टाइल काउंसलिंग जैसी सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस पहल के साथ मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ प्रिवेंशन, शुरुआती निदान और पर्सनलाइज्ड मरीज देखभाल पर केंद्रित एक अग्रणी हेल्थकेयर प्रदाता के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत कर रहा है।

भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं ने लिया 'सेवा और समर्पण' का संकल्प

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के अवसर पर आज पार्टी कार्यलय पर कार्यकर्ताओं द्वारा भारी उत्साह के साथ भाजपा का स्थापना दिवस मनाया श्अंत्योदयश के मंत्र और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ, पार्टी कार्यालय से लेकर बूथ स्तर तक भाजपाइयों ने अपनी वैचारिक जड़ों को नमन किया।स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत सुबह कार्यालय पर जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इस अवसर पर पार्टी का झंडा फहराते हुए कार्यकर्ताओं ने ष्भारत माता की जयष और ष्भारतीय जनता पार्टी जिंदाबादष के गगनभेदी नारे लगाए।मीडिया प्रभारी सुशील मिश्रा ने बताया कि भाजपा कार्यलय पर 51 बटुकों का सम्मान हनुमान चालीसा पाठ एवं हवन पूजन का कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने कहा की ष्आज भाजपा केवल विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशा और विश्वास का प्रतीक है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पदचिह्नों पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में हम एक शविकसित भारतश की ओर अग्रसर हैं।ष्कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद विनय कटियार ने कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दिया और कहा कि पार्टी ही सर्वोपरि है।।गोष्ठी को पूर्व मंत्री अनिल तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कमला शंकर पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय ने भी संबोधित किया

जनसंघ कालीन एवं पार्टी के बहूत ही वरिष्ठ सपर्पित नेता पूर्व सांसद विनय कटियार, पूर्व मंत्री अनिल तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कमलाशंकर पाण्डेय, आदित्यनारायन मिश्रा, दान बहादुर सिंह, प्रकाश गुप्ता, खुशी राम पाण्डेय राधेश्याम सिंह राम दुलारे गुप्ता का सम्मान स्मृतिचिन्ह, अंगवस्त्र माला रामचरित मानस भेंटकर किया गया।। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू पाण्डेय रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, बीकापुर विधायक अमित सिंह जी शिवम सिंह अखण्ड प्रताप सिंह डिम्पल, अशोक कसौधन, गोकरन द्विवेदी, जनार्दन मौर्य, सुमन पासवान एवं समस्त जिला पदाधिकारी एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

केवीएस पब्लिक स्कूल में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।सोहावल क्षेत्र अंतर्गत केवीएस पब्लिक स्कूल सलोनिया तिराहा ड्योढ़ी रोड सोहावल मे वार्षिकोत्सव 2026 का प्रोग्राम विद्यालय प्रबंधक विजय सिंह द्वारा केवीएस पब्लिक स्कूल मैं बड़े ही भाव तरीके से कराया गया विद्यालय में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बच्चों को विदाई समारोह कार्यक्रम विद्यालय की परंपरा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कराया गया है बच्चों ने बड़े परमाणुओं पर भाग लिया कार्यक्रम में और कार्यक्रम को सफल बनाया इसी उपस्थिति में विद्यालय के प्रबंधक विजय सिंह मयांक सिंह प्रधानाचार्य श्रीमती कीर्ति सिंह सदस्य सुशील विश्वकर्मा शिव सागर पांडे सुरजीत सिंह अनिल सिंह अनिल दुबे सतीश दुबे अमरजीत यादव राजश्री सिंह ममता विश्वकर्मा रानू सिंह स्वाति सिंह आकांक्षा सिंह कमल करती (आकांक्षा सिंह) सपा से वरिष्ठ नेता अनूप सिंह वरिष्ठ जन समस्त नागरिक मौजूद रहे ।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस पर राजकीय बाल सुधार गृह में योग शिविर आयोजित'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयुष विभाग द्वारा राजकीय बाल सुधार गृह में विशेष योग शिविर आयोजित किया गया। शिविर का संचालन योग प्रभारी अधिकारी मृदुल कुमार गुप्ता ने किया गया, जिसमें लगभग 35 बालकों ने सहभागिता की। योग प्रोटोकॉल के तहत बच्चों को योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया, जिससे उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक प्रणाली अधिकारी डॉ. सिराज अहमद अंसारी ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करना आवश्यक है। वहीं, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. शबीना नाज अंसारी ने संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और योग को बेहतर स्वास्थ्य का आधार बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में योग सहायक राहुल, सुपरवाइजर संजीव कुमार, स्टाफ नर्स राम विनय यादव, आशीष कुमार, अमरेश कुमार वर्मा, पवन कुमार कटिहार, राहुल मिश्रा, पुनीत गुप्ता, रामदास, कृष्णपाल व समस्त कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना नवागत प्रभारी निरीक्षक राम जन्मभूमि सुमित श्रीवास्तव की प्रथम प्राथमिकता

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। थाना राम जन्मभूमि के नवागत प्रभारी निरीक्षक सुमित कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया।पदभार संभालने से पूर्व उन्होंने हनुमानगढ़ी पहुंचकर रामलला का दर्शन–पूजन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।पदभार ग्रहण करने के बाद प्रभारी निरीक्षक श्रीवास्तव ने थाने में मौजूद समस्त स्टाफ के साथ बैठक कर कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी।किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इसके उपरांत उन्होंने थाना क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने और आमजन के साथ बेहतर व्यवहार रखने के निर्देश दिए। नवागत प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक   देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।